



या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥



मां दुर्गा की पंचम स्वरूप,
सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी

मां
स्कंदमाता

की कृपा हम सब पर
बनी रहे।

मां स्कंदमाता की आरती

जय तेरी हो स्कंदमाता।
पांचवां नाम तुम्हारा आता।।

हर मंदिर में तेरे नजारे।
गुण गाए तेरे भक्त प्यारे।।

सबके मन की जानन हारी।
जग जननी सब की महतारी।।

भक्ति अपनी मुझे दिला दो।
शक्ति मेरी बिगड़ी बना दो।।

तेरी ज्योत जलाता रहूं मैं।
हर दम तुम्हें ध्याता रहूं मैं।।

इंद्र आदि देवता मिल सारे।
करे पुकार तुम्हारे द्वारे।।

कई नामों से तुझे पुकारा।
मुझे एक है तेरा सहारा।।

दुष्ट दैत्य जब चढ़ कर आए।
तुम ही खंडा हाथ उठाए।।

कहीं पहाड़ों पर है डेरा।
कई शहरों में तेरा बसेरा।।

दास को सदा बचाने आई।
चमन की आस पुराने आई।।



पंकज डावर

विधानसभा : गुरुग्राम